1-12-2020

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

"आत्मज्ञान" जानने से बुद्धिमान होता है, यह मेरा निजी अनुभव है।

बाबास्वामी
1/12/2020

1690
2-12-2020

बुधवार

❀ आत्मा ❀

"आत्मज्ञान" से बांटकर मुक्त होना आवश्यक होता है।

बाबास्वामी
2/12/2020

|691|

3-12-2020

गुरुवार

आत्मा

आत्मज्ञान का प्रचार प्रसार करना ही उससे "मुक्त" होने का आसान मार्ग है,

बाबास्वामी
3/12/2020

1692

4-12-2020

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

जो भी इस शरीर से प्राप्त किया उसके अटैचमेन्ट से "मुक्त" होना ही मोक्ष है।

बाबास्वामी

4/12/2020

1693

5-12-2020

शनीवार

❀ आत्मा ❀

"आत्मज्ञान" भी इसी शरीर से पाया ज्ञान है, उसे भी बाँटना ही होगा।

बाबास्वामी

5/12/2020

1694
6-12-2020

रविवार-

❀ आत्मा ❀

आत्मज्ञान पाने के बाद
कम से कम 90 लोगों
को लो भी वह "बांटो"

बाबास्वामी
6/12/2020

1695

7-12-2020

सोमवार

आत्मा

जितना आत्मज्ञान बांटोगे उतने ही आप "रिक्त" होते चले जायेंगे

बाबास्वामी

7/12/2020

1696
8-12-2020
मंगलवार

आत्मा

आत्मज्ञान का प्रचार आप अपनी आध्यात्मीक प्रगती के लिये कर रहे है, यह सदैव "याद" रखे

बाबास्वामी
8/12/2020

1897

9-12-2020

बुधवार

आत्मा

आत्मज्ञान समाज में बाँटने से बड़ा कोई "समाज कार्य" नहीं है।

बाबा स्वामी
9/12/2020

1698

10-12-2020

गुरुवार

आत्मा

आत्मज्ञान बांटकर आप सामने वाले को "आत्मनिर्भर" बना रहे हो आप पर निर्भर नहीं

बाबास्वामी

10/12/2020

1699

11-12-2020

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

"आत्मज्ञान" का प्रचार प्रसार ऐसा कार्य है, जो सामने वाला ले या न ले - आपकी प्रगति तो होती जाती है,

बाबास्वामी
11/12/2020

1700
12.12.2020

शनीवार

❀ आत्मा ❀

"आत्मज्ञान" का प्रचारकार्य तो गुरु सानिध्य का सशक्त माध्यम होता है।

बाबास्वामी
12/12/2020

170।

13.12.20
रविवार

❀ आत्मा ❀

"ध्यान" आत्मा का "भोजन" है। आप करोगे तो ही आप का पेट भरेगाँ

बाबास्वामी
13/12/20

1702

14.12.2020
सोमवार

❀ आत्मा ❀

पती पत्नी के "आत्मीय संबन्ध" हो तो ही पत्नी के ध्यान का लाभ पती को होता है, "अन्यथा नही"

बाबास्वामी
14/12/20

1703

15.12.2020

मंगलवार

आत्मा

अपना "समर्पण" अपनी आत्मा के प्रती करो आत्मा के विरुद्ध कोई कार्य न करो

बाबास्वामी

15/12/2020

1704

16-12-2020

बुधवार

❀ आत्मा ❀

निर्जीव वस्तुएं कभी भी सजीव मनुष्य को "सुख" नहीं दे सकती है।

बाबारवामी

16/12/2020

1705

17-12-2020

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

शरीर हमको कभी भी "आत्मसुख" नहीं दे सकता है,

बाबास्वामी

17|12|2020

1706

18-12-2020

शुक्रवार

आत्मा

आत्मसुख ही सच्चा सुख है। इसको "व्यक्त" नहीं किया जासकता है।

बाबास्वामी

18/12/2020

1707
19-12-2020
शनीवार

आत्मा

आत्मसुख पाने के हमे "अंतरमुखी" होना पडता है।

बाबास्वामी
19/12/2020

1708

20-12-2020

रविवार

आत्मा

परमात्मा की खोज हमारी
जबतक समाप्त नहीं
तब तक हम "अन्तरमुखी"
नहीं हो सकते है।

बाबास्वामी
20/12/2020

1709

21-12-2020

सोमवार

❀ आत्मा ❀

हम जब तक अन्तरमुखी
नहीं होते हमारा "चित्त"
तब तक सशक्त नहीं
हो सकता है।

बाबास्वामी

21/12/2020

1710

22-12-2020

मंगलवार

आत्मा

"अन्तरमुखी" जाने पर ही हमारा चित्त पवित्र होता है।

ब्रह्मस्वामी

22/12/2020

1711

23.12.2020

बुधवार

❀ आत्मा ❀

"अन्तरमुखी" कराने वाले माध्यम के समक्ष ही अन्तरमुखी हो सकते है।

बाबास्वामी
23/12/2020

1 J 1 2

24.12.2020

गुरुवार

आत्मा

अन्तरमुखी "माध्यम"

इस दुनिया मे बड़ा

ही दुर्लभ होता है।

बाबास्वामी

24|12|2020

1713

25.12.2020

शुक्रवार

आत्मा

अंन्तरमुखी माहयमं
इस दुनीया मे पुण्यवान
लोगो को ही मीलता है।

बाबिस्वामी
25/12/2020

1714

26.12.2020

शनिवार

आत्मा

बहुत कम ही पुण्य आत्मा इससे अंतरमुखी स्थिती को ले पाते है।

बाबास्वामी
26.12.2020

1715

27.12.2020

रविवार

❀ आत्मा ❀

एक बार अंतरमुखी
स्थिती प्राप्त हो गयी
तो सारा "समाधान"
ही प्राप्त हो जाता है।

बाबास्वामी

27/12/2020

1716

28.12.2020

सोमवार

❀ आत्मा ❀

अन्तरमुखी स्थिती मीलने पर "परमात्मा" का अनुभव अपने भितर ही होता है।

बाबास्वामी
28/12/2020

1717

29.12.2020

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

अंन्तर मुखी बन जाने पर हम अपने "गुरु" स्वंयम ही बन जाते है। सारा "ज्ञान" हमे अपने भितर से ही मिलने लग जाता है।

बाबास्वामी

29/12/2020

1718

30.12.2020

बुधवार

❀ आत्मा ❀

हम और परमात्मा
अलग नहीं रह जाते
है। हम "परमात्मामय"
हो जाते हैं।

ब्लाबास्वामी
30/12/2020

1419

31.12.2020

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

आज तक हम जिवन में
जिसे ज्ञान समझते
थे। वह ज्ञान था ही
नही केवल जो हो
गया उसकी "जानकारी"
भर थी।

बाबास्वामी
31/12/2020